षष्ठम विधान सभा के षष्ठम सत्र के समापन अवसर पर माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025

छत्तीसगढ़ विधान सभा के षष्ठम विधान सभा के षष्ठम सत्र का आज अंतिम दिवस है। यदि सबकुछ कार्य योजना के अनुसार हुआ तो यह सत्र इस विधान सभा भवन में अंतिम सत्र होगा और आगामी सत्र नवीन विधान सभा भवन में होना संभावित है । यह सत्र 14 जुलाई से 18 जुलाई के मध्य आहूत रहा, कुल पांच दिवसीय सत्र में पांच बैठकें सम्पन्न हुईं। सर्वप्रथम सफलतापूर्वक सत्र सम्पन्न होने के अवसर पर मैं अपनी ओर से माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी एवं पक्ष–प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यगणों को धन्यवाद देता हूं कि आपने सदन के सुव्यवस्थित संचालन में मुझे अपना अधिकतम सहयोग प्रदान किया।

छत्तीसगढ़ विधान सभा की स्थापना का यह रजत जयंती वर्ष है, मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि छत्तीसगढ़ विधान सभा की वर्तमान षष्ठम विधान सभा संसदीय मूल्यों को निरंतर मजबूती देने का प्रयास कर रही है और इस कार्य में आप सभी की सहभागिता प्रशंसनीय है।

मुझे यह पूर्ण विश्वास है कि आप सभी का संसदीय आचरण और व्यवहार ही लोकतंत्र के इस पावन मंदिर की गरिमा को संवर्धित करने का सशक्त माध्यम सिद्ध होगा । लोक कल्याण के प्रति एक जन्‌प्रतिनिधि का जो दायित्व होता है, उसकी पूर्ति करने हेतु आपका कृत संकल्पित होना इस बात का प्रमाण है कि आप जनता के प्रतिनिधि के रूप में पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। हमारे लिए यह उपलब्धि है कि इस मानसून सत्र में राज्य के विकास से जुड़े प्रत्येक महत्वपूर्ण विषयों पर आप सभी ने व्यापक, विस्तृत और परिणाम मूलक चर्चा की है। इसका प्रभाव भविष्य में छत्तीसगढ़ के विकास में अवश्य परिलक्षित होगा। आपने इस सत्र में राज्य के विकास से जुड़े प्रत्येक ज्वलंत विषयों पर विचार किया और निष्कर्ष तक पहुंचे।

आज इस मानसून सत्र के समापन अवसर पर आप समस्त सदस्यों से मेरा अनुरोध है कि सदन की गरिमा को बनाए रखने में आप सदैव गम्भीर रहें, क्योंकि सदन के सम्मान से ही आपका सम्मान जुड़ा हुआ है। आपकी भूमिकाएं और प्रतिबद्धताएं भले ही भिन्न–भिन्न हों पर उद्‌देश्य एक ही होना चाहिए कि लोकतन्त्र को आपके कार्य, विचार और व्यवहार से मजबूती मिले।

इस मानसून सत्र में दिनांक 16 जुलाई, 2025 को माननीय राज्यपाल महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में वर्ष 2024 के उत्कृष्ट विधायक, पक्ष से माननीया श्रीमती

भावना बोहरा जी, प्रतिपक्ष से माननीय श्री लखेश्वर बघेल जी, उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार प्रिंट मीडिया से दैनिक भास्कर के श्री राकेश पाण्डेय जी, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संवाददाता सुदर्शन न्यूज के श्री योगेश मिश्रा जी एवं कैमरामैन श्री विश्व प्रकाश पुरेना जी को पुरस्कृत किया गया। मैं सभी पुरस्कृत विभूतियों को अपनी ओर से पुनः बधाई देता हूँ। उत्कृष्टता अलंकरण समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत लोक गायिका सुश्री मैथिली ठाकुर जी का सुगम संगीत गायन हुआ, जिसका आप सभी ने आनंद लिया।

अब मैं आपको इस मानसून सत्र में सम्पादित हुए संसदीय कार्यों का संक्षेप में सांख्यिकी आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा। इस सत्र की कुल 5 बैठकों में लगभग 19 घंटे 50 मिनट चर्चा हुई है। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की 516 एवं अतारांकित प्रश्नों की 480 इस प्रकार कुल 996 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं, जिसमें से 28 प्रश्नों पर सभा में अनुपूरक प्रश्न पूछे गये। ध्यानाकर्षण की कुल 385 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 153 सूचनाएं ग्राह्य हुईं और 28 सूचनाएं शून्यकाल सूचना में परिवर्तित की गई। स्थगन की कुल 155 सूचनाएं प्राप्त हुईं। शून्यकाल की 74 सूचनाएँ प्राप्त हुईं, जिसमें 14 सूचनाएं ग्राह्य हुईं। इस सत्र में माननीय सदस्यगणों द्वारा 236 याचिकायें प्रस्तुत की गई, जिनमें से 36 याचिकायें ग्राह्य एवं 128 याचिकायें विचाराधीन हैं । इस सत्र में 13 विधेयकों की सूचना प्राप्त हुई और सभी चर्चा उपरान्त पारित हुए। इसके साथ ही अशासकीय संकल्पों की 8 सूचनायें प्राप्त हुईं जिनमें से 1 सूचना पर सभा में चर्चा हुई।

इस सत्र में हमारे लिए उपलब्धि का विषय रहा कि देश की अस्मिता, देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े एक महत्वपूर्ण विषय **''आपरेशन सिंदूर''** के संदर्भ में भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं वीरता तथा देश के यशस्वी प्रधान मंत्री की रणनीतिक दक्षता के लिये उनके अभिनंदन का प्रस्ताव माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने रखा, जिस पर माननीय सदस्यों ने अपनी भावनायें अभिव्यक्त कीं ।

प्रदेश की सबसे बड़ी पंचायत विधान सभा के कार्यकरण से राज्य की आम जनता को अवगत कराने के उद्देश्य से सदन की कार्यवाही के अवलोकन हेतु आम नागरिकों को अवसर दिया जाता है। इस तारतम्य में विभिन्न शासकीय/अशासकीय संस्थाओं, जनप्रतिनिधि संस्थाओं के लगभग 5295 लोगों ने एवं 454 छात्र–छात्राओं ने इस सत्र में सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

मैं इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं, जिन्होंने सभा के संचालन में मुझे सहयोग प्रदान किया। मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया।

इस सत्र के समापन अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन जी सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूँ। सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूँ, जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था इस सत्र के दौरान कायम रखी।

मैं विधानसभा के सचिव श्री दिनेश शर्मा जी सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया। परम्परा अनुसार सत्र समापन अवसर पर आगामी सत्रों की सम्भावित तिथि घोषित की जाती है, तद्नुसार आगामी सत्र जो शीतकालीन सत्र होगा, जिसकी तिथि दिसम्बर 2025 में सम्भावित है। मैं आपके एवं प्रदेशवासियों के मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ।

जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़.